



निव्यपेवागुमाप्रयः पर्याप्तैकैकसकैसांनिसमेयागुनवनमः॥निर्मात्म
नीदिनममपुलगाकायादिवर्जवैकापाकासाकलनाकलामन
सवासूआडसूयापमाविद्यावच्चकदंवेकदंरुमियात्रकजयाः
हंदनीसानंदाललिगार्धमहृननावावाहिकापाठवो॥ ॥
आदोकल्यानमलकल्यानयथावसानकल्यानसोपसूर्यज

४२

नैकवलपनिपुत्रुपनिगुध्रपयावदार्गवसूत्रयसंपकाश
यगिसा॥आयुर्वेद्विज्ञेसावद्विविद्यासूत्रावेवजनधन
संगानननहसफवद्वि॥ ॥कनगतावना॥उंवजामनाद
क००००॥उंनम२सहागद्विहा॥नैदाकिनीजलनूपीविहाव्या॥उं॥
मटिकिविकारनपनिगर्तनाताननमस्यकनगंआःकानरुगुर्द्वधः

मादियाक नती विरावा ॥ मद नृत्तस्व वीज विष्णुपनि ॥ म नृत्तस्व
वगावर्ज विर्विषयस्व दृष्टी ज मयूँ क ॥ न हान सत्त्व मानी य पू न मा
दक्षास मय सत्त्व ॥ य वे ॥ म हाना गण ५ वी ह्य वा विचिहसी ॥
निरुती विर्विं तथ नृ ॥ विष्णु वस मय द वगा हान द व न था न की
हती विष्णु य नृ ॥ ॥ आ क र्ज ॥ ॐ आ १ ख ॥ ॐ आ १ ह ॥ सर्व विष्णु ॥

दीप द ह न क न कान य २ दृष्ट ॥ ॐ आ १ विष्णु क क स र्वा पाप वि
ष्णु माला रु मि न क नृ दृष्ट ॥ ॐ का प का ॥ ॐ आ १ विष्णु क क स
र्व दक्षा ॥ म पक्ष ॥ म निर्प ॥ म कि क नृ दृष्ट ॥ ॐ आ १ वि
ष्णु क क स र्वा पू ॥ म हान स र्वा नान ॥ म क य दृष्ट ॥ ॐ आ १ वि
१ विष्णु क क स र्वा वलान प न थ दृष्ट ॥ क य म ला ॥ ॐ आ १ विष्णु क क

सर्वानि कान्तपुष्पार्किकुन्दाहा ॥ सविम्बुता ॥ उं सर्वपापदहनवः
जायकस्येव सर्वपापदहनवः ॥ सनाथा ॥ उं अविष्मक
सर्वेकान्तपुष्पार्किकुन्दाहा ॥ उं रुनरुनसंरुन ॥ उं डिमबलिवि ॥ सधनिः
नृनृचलेहं हं रुद्वहा ॥ पापादिपुष्पार्किकुन्दाहा ॥ पत्नीपद्मानपुष्प ॥ ला
समभवादतपुष्प ॥ ॥ अथगीम ॥ सविम्बुता ॥ उं रुनरुनसंरुन ॥

सर्वानि कान्तपुष्पार्किकुन्दाहा ॥ सविम्बुता ॥ उं सर्वपापदहनवः
जायकस्येव सर्वपापदहनवः ॥ सनाथा ॥ उं अविष्मक
सर्वेकान्तपुष्पार्किकुन्दाहा ॥ उं रुनरुनसंरुन ॥ उं डिमबलिवि ॥ सधनिः
नृनृचलेहं हं रुद्वहा ॥ पापादिपुष्पार्किकुन्दाहा ॥ पत्नीपद्मानपुष्प ॥ ला
समभवादतपुष्प ॥ ॥ अथगीम ॥ सविम्बुता ॥ उं रुनरुनसंरुन ॥

ॐ कस्य च लक्ष्मी ॥ ॐ गंगा च लक्ष्मी ॥ ॐ पीता च लक्ष्मी ॥ ॐ नका च लक्ष्मी ॥
ॐ अमा च लक्ष्मी ॥ ॐ वज्रायामिनी लक्ष्मी ॥ ॐ यहा प्रागमिनी लक्ष्मी ॥ ॐ बोध
नि लक्ष्मी ॥ ॐ पित्रे २ पुत्रा वरुणि कल २ मधव वरुणि विनि २ वरुणि वरुणि निचा
हा ॥ ॐ नाग वरुणी लक्ष्मी ॥ ॐ धर्म वरुणी लक्ष्मी ॥ ॐ मातृ वरुणी लक्ष्मी ॥ ॐ पित्रे
न वरुणी लक्ष्मी ॥ ॐ धर्म वरुणी लक्ष्मी ॥ ॐ नमो गवतः श्री चण्डमहा
नाथ नमो देवाय नमो मानुष्याय नमो सुकलमाल विनायकाय नमो

कटक गणिना ॥ ॐ देवलिङ्ग २ मम सत्त्व विष्णु रत्न २ वरुणा गान्निवानय २
गाम २ ग्राम २ किन्द २ किन्द २ नाग २ नाय २ ॥ ॐ २ रुद्र २ रुद्र २ इन्द्र सत्त्वा
मम विरुद्ध चिरु कान् रुद्रि रत्न २ रुद्र २ रुद्र २ साहा ॥ ॥ ॥
ॐ ॐ ॐ सर्व वरुणा किनिय वरुणा वरुणीय वरुणा वरुणीय रुद्र रुद्र रुद्र
साहा ॥

थनवलिसुक्कायसायक ॥

॥ इत्येकवक्त्रं लक्षणं नवायवत्तं कलुषं दृष्ट्वा

मया ॥ त्वेपलोकं वर्गं न्यागमनं विशेषकं ॥ नरु नगरं मां मां गमादिवि ॥

षट् ॥ कुरु नोदमहा नोददवदरु समाधि ॥ कुरु कलानी विरुत्ती नैदाती

मिविनायक ॥ चामं अधान विरुत्ती उमादवी दुर्गवा ॥ ३५ ॥ अत्र चिह्नं या

त्रे वज्रं जिह्वा अपमं किता ॥ रुद्र काली महा काली हून काली दुःखा मिनी

॥ ३६ ॥ अदी इदी धानी लंबकी विद ॥ गवनी ॥ कं वीही द्वीपिनी वाणिः

संन्यासमवस्थितं यमिनी ॥ धान नूपा महा नूपा दृष्ट्वा नूपा कपा निनी ॥

कपालमालमार्गि न्यास्व च गमय मर्द्धिका ॥ खड्ग हस्ता यनगुरु हस्ता वः

ऊरु हस्ता धनं रु ॥ पंचजकिनी महा कत्व सर्व कर्मार्थ साधक ॥ ३७ ॥ आग

मं तुल्य महा नाग वः ॥ गवनी परु कथा ॥ कथा गम महा काय निर्गुन न्याः

गच्छिका ॥ ३८ ॥ दं वः ॥ गवनी आह्ला आवाक ॥ सर्व सिद्धिनी ॥ ३९ ॥ क क क

इति श्रवणं त्रैलोक्यं सारवत्सलं च यद्यपि यः श्रुत्वा मानसं ॥ १ ॥
मीमांसितं किं न किं न किं न किं न ॥ २ ॥
॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥

कलाभिपयस्यतिष्ठ वजनकस्य नदीगले वरुनपनमाहिवके वृद्धि
 डिर्वेई ॥ पतिर्विवसमाधमाश्रयागुच्छाघताविलाज्यामानहिला
 यावदुक्तकमसमकर्व ॥ ३८ ॥ सवतथागगज्यारिषकसमययई ॥ खानयाक
 ॥ अयमसकलेजनीसरुलीजीविनीममज्यसमयसर्वदवातीरुविज
 हननसय ॥ अणममदिवसायक हाकयमोरुमसतिपाकरुवक

म

धामिद पिन

पयववृद्धिनिमगनी ॥ ३९ ॥ वजरुमदीवजादक वजगाभम वजसूव धुजल
 वानसलाहा ॥ सिधलनिक ॥ ४० ॥ दनपनमगधंसरुडीसीनीसरुलाहिनी
 नियागयामि वजकिलकरुप ॥ ४१ ॥ लाहा ॥ ऊर्जकागव ॥ युस्मालेकालय
 जामघसमदरुनलज्झापविनी वजवाधीगदरुक ववाभससलाहा
 खानसय ॥ ललितवक नगीवृद्धिदवाभससका ॥ ४२ ॥ सुसुवोविह

कालि मन्त्र कालीदिहं उ व ॥ वृद्ध पूजा नूरावनद वना नाम न न च ॥ यो यो धर्म
मरिष्य न ॥ ~~सुव (था घ स म धा ना) स्वस्ति वादि प द शा न~~
स्वस्ति वा सु व रु स्य द ॥ स्वस्ति वा वृज नामा त स्वस्ति प त्या ग न पू च ॥ स्वस्ति
नाश स्वस्ति दि वा स्वस्ति म (ध्वादि न स्ति न ॥ सर्व रु स्वस्ति वा शा नु मा चि वी
प्रा य मा ग म न ॥ स व स त्वा ॥ स व पा ॥ स व रु ना च क व ला ॥ स वः

वे स वि न सं उ स व सं उ नि मा त्म या ॥ स व रु ना नि प ॥ सु मा क शि यो य मा
ग म नू ॥ या नी रु रु ना नि स मा ग ना नि स्ति ना नि रु मा व थ वा क नि य ॥ क
व रु मं जी व न मं पि जा स दि वा च ना शो व च नै उ ध र्मा ॥ न न व रु
अ न न व य स व र्म यू कं वा य हा य स मी चि त ॥ व र्म ग ध न सा प नं प नि रु द
उं य थ स र्व ॥ उं व रु न व य स्वा हा ॥ धा ला क य ॥ उं न मा रु ग व न हा दि

यामृष्टधियापुनः॥ कर्मवीचत्वयानाथ यदि मांया सिद्धिदनी॥ नरु
बुद्धवगाः सचेक नूधं पुनिमा विनी॥ कानूदानपनं नमस्विस्विक्रिय
किंच सचेक॥ यनूकनकायजं पापयनूकनवाकजं पापयनूकनी
चिरुजपापं नत्स वै दलया म्यहं॥ नमोभुनं वृद्धं अर्ननं॥ नमो
लानमस्तस्य पुकाण कामनस्य पुनिकायजाय मोचसहवचका
(मज्झिमे निज्याहिनेरावहिनेक्रमस्य२

यासिरुलाह वंउपसिद्ध पुनमग्वनीयनमग्वनी॥ ॥ ५०॥
पंचामरसुलाघानं पचसालि सुहाजिनी॥ गीतवायननानिर्षी वं
वीसून वीदिनी॥ अरुक्तुहितादवी अरुक्तुनिवासिनी॥ अरुक्तुनव
संयुक्तं अरुक्तुमात्रिकां नमाम्यहं॥ नमस्का नुनवी नुनका नरुयना नै
ननुनसचाउ नका नस्वाहाका ननमाम्यहं॥ अका नानिर्ममोहना नै

...के ... वे ...
 ... न ...
 ... न ...
 ... न ...
 ... न ...
 ... न ...
 ... न ...
 ... न ...

१२२
 ...

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...